वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 23 | शनिवार 18 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने गोविंद देव जी मन्दिर में पूजा-अर्चना कर की सबके मंगल की कामना

गोस्वामी श्रीहित हरिवंश महाप्रभु के 551वें प्राकटयोंत्सव में भाग लिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार को श्री गोविंद देव जी मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने श्री गोस्वामी श्रीहित हरिवंश महाप्रभु के 551वें प्राकट्योत्सव में भाग लिया और गोविंद देव जी की विधिवत पूजा अर्चना कर सबके मंगल की कामना की। राज्यपाल मिश्र ने मंदिर प्रांगण में गोस्वामी श्रीहित हरिवंश महाप्रभु प्राकट्योत्सव में ''श्री राधावल्लभ अनन्य भक्त चरितावली'' भक्तमाल वाणी पुस्तक का विमोचन भी किया।इसके पश्चात महाप्रभु के जीवन चरित्र पर मंचित लीला के भी वह साक्षी बने। उन्होंने बाद में मंदिर प्रांगण में छोटी सरकार, वृंदावन के प्रधान पीठाधीश्वर श्री हित प्रेम कुमार गोस्वामी के प्रवचन भी सुने।इस मौके पर उन्होंने वहां उपस्थित सभी भक्तजनों को इस आयोजन की शुभकामनायें दी।

चिकित्सा विभाग एवं गुजरात के सत्य साईं हृदय हॉस्पिटल के बीच एमओयू नवीनीकरण

आरबीएसके कार्यक्रम के तहत हृदयरोग पीड़ित 18 वर्ष तक के बच्चों को मिलेगा शल्य चिकित्सा का लाभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा गुजरात के सत्यसाईं हृदय हॉस्पिटल, अहमदाबाद एवं राजकोट, गुजरात (प्रशान्ति मेडिकल सर्विसेज एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन) के बीच एमओयू का नवीनीकरण किया गया।इस एमओयू के माध्यम से प्रदेश में आरबीएसके (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) के तहत हृदय रोग से पीड़ित 3 माह से 18 वर्ष तक के बच्चों व किशोर-किशोरियों को निःशुल्क हर्ट सर्जरी की सुविधा मिल सकेगी। श्री सत्यसाईं हृदय हॉस्पिटल द्वारा वर्ष 2022-23 में 289 एवं वर्ष 2023-24 में 177 हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का निःशुल्क उपचार किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि आरबीएसके कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्मिकों की मोबाइल टीमों द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों, मदरसों, राजकीय स्कूलों में प्रत्येक बच्चे की हैल्थ स्क्रीनिंग की जाती है एवं जन्मजात दुर्लभ रोगों से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उन्हें उच्च चिकित्सालयों में सम्पूर्ण उपचार निःशुल्क उपलब्ध करवाया जाता है।

योगा ओलंपियाड में विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी योग कला

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। नेशनल योगा ओलंपियाड शुक्रवार को स्थानीय राजकीय सांस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ऐलनाबाद में खंड स्तर पर किया गया जिसमें विभिन्न राजकीय विद्यालयों ने भाग लिया ।योगा ओलंपियाड का आयोजन दो वर्ग यू-14 व यू 17 में किया गया है।यू-14 गर्ल्स वर्ग में जीजीएसएसएस ऐलनाबाद की आठवीं कक्षा की छात्रा खुशबू प्रथम रही ।यू-17 गर्ल्स वर्ग में जीएसएसएस तलवाड़ा की नौवीं कक्षा की छात्रा कि स्मत प्रथम रही ।वहीं बॉयज में यू-14 वर्ग में कार्तिक जीएसएसएस निमला का छात्र प्रथम रहा। यू-17 वर्ग में जीएसएसएस तलवाड़ा का अशनदीप प्रथम रहा।जीतने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रधानाचार्य अनिल दाहिया ने बधाई दी व जिला स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी ।इस योगा ओलंपियाड को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षक कुलदीप कडवासरा, राजेश शर्मा, राजेश स्वामी, धर्मपाल व शारीरिक शिक्षिका संतोष रानी ,रंजीत कौर व प्रवीण कुमारी का अहम योगदान रहा है।

वीजेसी ओपन माइक लीग का ग्रांड फिनाले, राम सोनी एच द बिएटबॉक्सर बने विजेता

जयपुर. शाबाश इंडिया। विनीत जैन क्रिएशन्स (वीजेसी) के बैनर चल रहे ओपन माइक लीग के ग्रैंड फिनाले सी-स्कीम स्थित 360 डिग्री में हुआ। इस फिनाले के विजेता राम सोनी एच द बिएटबॉक्सर को घोषित किया और शो के आयोजक विनीत जैन ने सामाजिक विचारशील हंसा कोठारी द्वारा प्रायोजित 21हजार का नकद इनाम देकर सम्मानित किया। शो की रनर अप गौरी सोनी रही जिन्होंने स्टोरी टेलिंग क्षेत्र में अपना टैलेंट दिखाया। इनके अलावा, शेहजादा द रैपर,

योगेश लखवानी मिमिक्री कलाकार, जयान और सुजाना हुसैन वायलिन और तबला कलाकार, प्रतिष्ठा भारद्वाज- कवि, ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति की। क्रिएटिव हेड अकांक्षा अरोड़ा ने हमें बताया कि 95 एफएम तड़का के आरजे सूफी, बीजेपी नेता जय आहुजा, गायक जावेद हुसैन जैसे कई प्रसिद्ध व्यक्तियों इस शो में गेस्ट ऑफ ऑनर थे। शो की एक्जीक्यूटिव प्रेरणा चंदीरानी ने बताया कि यह लीग एकेश पार्थ, अतुल जैन अहसास, दीपक वल्लभ गोस्वामी, मीनाक्षी जय आहुजा और गायक मधु भट्ट ने निर्धारित किया गया था। आयोजन का मेजबान सेलिब्रिटी एंकर आदित्य शर्मा ने किया। शो की कोर्डिनेटर आकांक्षा मीना ने बताया कि इस शो को कहानी सुनाने, गायन, कविता और कई अन्य श्रेणियों में विभाजित किया गया था। शो के आयोजक विनीत जैन ने विजेता राम सोनी एच द बिएटबॉक्सर को घोषित किया साथ ही उन्हें 21000 का नकद इनाम भी दिया जिसे सामाजिक विचारशील हंसा कोठारी द्वारा प्रायोजित किया गया। इस शो को एडब्ल्यूपीएम,एएलसीएस और सैलून एके द्वारा सोगानी ज्वेलर्स, सहयोगी साथी आरएए, डिजाइनिंग पार्टनर क्रिएटिव खिड़की, फोटोग्राफी पार्टनर डीएस मीडिया, वेन्यू पार्टनर सिटी हाइट्स और 360 डिग्री ने सहयोग दिया।

बच्चों की वीणा वाटिका ऑनलाइन इंटरनेशनल ड्राइंग प्रतियोगिता हुई शुरू

जयपुर। वीणा वाटिका द्वारा My Buddy Nature विषय पर एक बार फिर वीणा वाटिका ऑनलाइन इंटरनेशनल ड्राइंग प्रतियोगिता शुरू हो चुकी है। इसका मुख्य उद्देश्य है की बच्चे प्रकृति को अपने दोस्त की तरह समझे और इस अनमोल धरोहर को जागरूक होकर अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। My Buddy Nature थम को लेकर एक शानदार गाना भी बनाया गया है जो YouTube, Instagram Reels, Spotify, Amazon Music, iTunes, आदि सभी म्यूजिकल प्लेटफार्म पर उपलब्ध है। इस प्रतियोगिता में एंट्री अपलोड करने की अंतिम तिथि 30 जून 2024 है। बच्चों की सोच उन्मुक्त होती है और उनके द्वारा रची हुई हर चीज एक नई सोच और जीवन के हर एक पहलू को एक नई दिशा देती है। इसीलिए इस प्रतियोगिता में 5 से 15 साल तक के बच्चे अपनी ड्रॉइंग भेज सकते हैं। बच्चे अपनी ड्रॉइंग www.veenavatika.org वेबसाइट पर जाकर सबमिट कर सकते हैं। विजेता प्रतियोगियों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया जाएगा साथ ही उनकी पेंटिंग्स को यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर भी दिखाया जाएगा। वीणा वाटिका का शुरू से ही जनसाधारण को प्रकृति के प्रति जागरूक करने का उद्देश्य रहा है।वीणा वाटिका इंटरनेशनल प्रतियोगिता के लिए बच्चे 30 जून 2024 तक अपनी पेंटिंग्स https://tinyurl.com/2kcdcvtk ऑनलाइन फॉर्म के द्वारा भेज सकते हैं।

संसार की हर क्रिया में धर्म को स्थापित कर सम्यक बनाएं: मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

दर्शनोंदय थूवोनजी व अशोक नगर समाज ने श्री फल भेंट किए

मन्दिर निर्माण में वेदी और शिखर का निर्माण कमेटी कर रहीं हैं: विजय धुर्रा

दमोह. शाबाश इंडिया

संसार की हर क्रिया में धर्म को स्थापित कर देना ही सक्रिय सम्यक दर्शन है, इसी को सराग सम्यकदर्शन कहते है। चलते हुए मेरे पैर के नीचे जीव न आ जाए, इसमें सक्रियता, जागरूकता है पूज्य जिनसेन स्वामी ने मंदिर का वास्तु निश्चित किया, इन्होंने आठ दृष्टियाँ बनाई, जिसमे जिनेंद्र देव की दृष्टि, गजदृष्टि व अश्वदृष्टि पर स्थापित किया और गज दृष्टि को श्रेष्ठ बताया कि भगवान के सामने काँच हो या कोई भी अवरोध नही होना चाहिए। कांच का काम मंदिरों में होना ही नहीं चाहिए। जहां जहाँ पर हुए हैं वहां पर परिवार या मंदिर की स्थिति बिगड़ गई, टुकड़े वाले काँच। अब रही बड़े काँच की तो लगाना चाहिए लेकिन जिस समय अभिषेक पूजन होता है उस समय मंदिर का कांच खुला रहना ही चाहिए, शेष समय आपत्ति नही उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने दमोह में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

चातुर्मास के लिए तीर्थ थूवोनजी व अशोक नगर समाज ने किया निवेदन

इसके पहले अशोक नगर जैन समाज एवं दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने दमोह पहुंच कर मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ निर्यापक श्रमण मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज ससंघ निर्यापक श्रमण मुनि श्री वीर सागरजी महाराज ससंघ को श्री फल भेंट कर चातुर्मास का निवेदन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल, महामंत्री विपिन सिंघई, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, मंत्री विनोद मोदी, राजेन्द्र हलवाई, रानी पिपरई, कोषाध्यक्ष सौरव वाझल, समाज के उपाध्यक्ष प्रदीप तारई, राजेंद्र अमन, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, संयोजक उमेश सिघई ,मनीष सिघई सहित अन्य प्रमुख जनो ने मुनि संघ को श्री फल भेंट किए । इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि अशोक नगर जैन समाज दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी संयुक्त रूप से श्री फल भेंट करने समाज अध्यक्ष राकेश कासंल कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री राकेश अमरोद मिल महामंत्री विपिन सिंघई के नेतृत्व में हम सब ये निवेदन लेकर आये है कि इस वर्ष का चातुर्मास हमारे अंचल में हो। इस दौरान मुनि पुंगव ने कहा कि धोती दुपट्टे पहनने के बाद जूते चप्पल नही पहनना चाहिए, यदि आपका घर दूर है तो टिन के डिब्बे में कपड़े रख लीजिए और गीली टॉवल से मंदिर में बदल लीजिये भगवान को स्पर्श करने के बाद दुबारा हाथ नही लगाना चाहिए क्योंकि आपके शरीर से स्पर्श हो जाने पर वह हाथ भगवान को छूने लायक नही रह जाता है। अतः हाथ धोना चाहिए फिर सुखाना चाहिए, फिर छूना चाहिए उन्होंने कहा कि कुन्दकुन्द स्वामी अद्वितीय थे और आचार्य श्री अपने आप में अद्वितीय थे। आचार्य श्री ने अपने आप को कुन्दकुन्द स्वामी में जीवित कर दिया। आचार्य श्री के दो सोच थे इस जैनधर्म की श्रमण संस्कृति को जिस रूप में देखने की भावना भाई है वह मैं कुन्दकुन्द भगवान को दिखा के रहूँगा और उनसे कह सकूँ कि आपने जो भावना भाई थी मैंने उसको साकार किया।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अध्यात्म को जन जन तक पहुंचाया

उन्होंने कहा कि श्रमण संस्कृति मात्र अध्यात्म की गुफा में ही दफन न हो जाये तो आचार्य श्री ने अपनी आध्यत्मिक गहराई, वीतरागता और निरीहवृत्ति को चौराहे पर विराजमान कर दिया जहाँ हर व्यक्ति पहुँच सकता है उनका सोच था कि मेरे अधिकार से, साधना या आशीर्वाद से जगत का कल्याण होता है तो वह उसे बाधक नही, सहयोग मानते है आज सारा राष्ट्र प्रजातंत्र पर आधारित है, प्रजातंत्र पर व्यक्ति तभी सफल हो सकता है जब उसका बहुमत हो।

जैनी शाकाहारी को जन्म देते हैं

उन्होंने कहा कि बहुमत के लिए जनसंख्या का जो समीकरण बिगड़ रहा है यह सबसे ज्यादा खतरनाक है। सन्तान को जन्म तो पापी, पशु भी देते है लेकिन जैनी को यह भाव करना चाहिए कि वह शाकाहारी, जिनेन्द्र भक्त, मुनि महाराज, व्रती, आर्यिका को जन्म दे रहा है। जब शाकाहारी को जन्म दे रहा हूँ तो परिवार नियोजन क्यों कराऊँ, उतने ही ज्यादा शाकाहारी जन्मेंगे। सर्वार्थ सिद्धिकार पूज्यपाद स्वामी ने लिखा है कि जो ऐसे अच्छे जीवों को आने से रोकते हैं उन्हें नपुंसक कर्म का बन्ध होता है पुण्य का बन्ध सिर्फ मन्दिर में ही नहीं होता पुण्य तो बाथरूम में स्नान करते करते भी हो सकता है कारण क्यों नहा रहे हो हम? अभिषेक करने जाना है, महाराज को आहार देना है, पुण्यबन्ध चालू हो गया। हर क्रिया में धर्म है, मात्र अपना दृष्टिकोण बदलना है।

वेद ज्ञान

महानता को समझें...

मनुष्य की महानता की पहचान उसके पद, अधिकार, ऐश्वर्य या धन-संपदा से नहीं, बल्कि उसकी विनम्रता, उदारता और कर्तव्य परायणता से होती है। व्यक्ति का चरित्र ही उसकी महानता की सच्ची कसौटी है। यानी उसके चरित्र की पूर्ति धन, यश, विद्वत्ता आदि में से कोई नहीं कर सकता। महान व्यक्ति अपने चरित्र की पवित्रता बनाए रखने के लिए हर तरह के त्याग के लिए हमेशा तैयार रहता है। चरित्र के बगैर व्यक्ति का जीवन वैसा ही है जैसे रीढ़ की हड्डी के बगैर शरीर। स्वामी विवेकानंद के शरीर पर भगवा वस्त्र और पगड़ी को देखकर एक विदेशी व्यक्ति ने टिप्पणी की थी। यह आपकी कैसी संस्कृति है। तन पर केवल एक भगवा चादर लपेट रखी है। कोट-पैंट जैसा कुछ भी पहनावा नहीं है। इस पर स्वामी जी मुस्कराए और बोले- हमारी संस्कृति आपकी संस्कृति से बिल्कुल अलग है। आपकी संस्कृति का निर्माण आपके दर्जी करते हैं, जबकि हमारी संस्कृति का निर्माण हमारा चरित्र करता है। संस्कृति वस्त्रों में नहीं, बल्कि चरित्र के विकास में है। हमारे चरित्र का निर्माण हमारे विचार करते हैं। इसलिए चरित्र को बदलने के लिए विचारों को बदलना जरूरी होता है। असल में ज्ञान का सामान्य अर्थ जानकारी है, लेकिन वास्तविक ज्ञान आत्मज्ञान की जानकारी है। आत्मज्ञान ही वह अमृत है जिसे पाने के बाद और कुछ पाना शेष नहीं रह जाता। एक संत के पास उनका एक शिष्य आया और उनसे पूछा, 'मैं कौन हूं?' गुरुजी ने एक थाली में पानी भरकर कहा था इसमें अपना मुख देखोगे तो तुम अपना साक्षात्कार कर लोगे। जब शिष्य ने उसमें अपना मुख देखा तो उसे लगा कि वह अति सुंदर है, लेकिन अगले ही पल उसे महसूस हुआ कि समय के साथ उसके मुख का स्वरूप भी बदल जाएगा और तब वह इतना सुंदर नहीं रहेगा। उसी पल उसे अपने सुंदर मुख से घृणा होने लगी और वह यह बात समझ गया कि जो चीज कुछ समय बाद जीर्ण-क्षीण हो जाए वह उसका स्वरूप कैसे हो सकता है। जब व्यक्ति 'मैं' को त्यागता है तभी वह महान बनता है। 'मैं' का त्याग तभी संभव है जब व्यक्ति खुद पर संयम रख सके। खुद पर काबू रखने वाला व्यक्ति आत्मप्रशंसा से बचता है जिससे उसमें धीरज, सेवा, शुद्धता, शांति, आज्ञा, अनुशासन और मेहनत के भाव पनपते हैं।

संपादकीय

विस्थापन का दंश दे रहा लाखों लोगों को दर्द

दुनिया भर में हर वर्ष लाखों लोग विस्थापित होते हैं और उन्हें अकथनीय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है मगर इक्कीसवीं सदी का सफर तय करते विश्व में भी ऐसी ठोस पहलकदमी नहीं दिखाई देती जिसमें अपनी जड़ों से उखाड़ दिए गए लोगों के दुख पर गौर किया जा सके और एक दीर्घकालिक समाधान का रास्ता तैयार हो। यह बेवजह नहीं है कि आज भी अलग-अलग देशों से बड़ी संख्या में लोग अपना घर बार छोड़ कर दूसरी जगहों पर

जाने पर मजबूर कर दिए जाते हैं। अक्सर आने वाली रपटों में इस समस्या की जटिलताओं की ओर ध्यान दिलाया जाता रहा है, लेकिन अब तक विस्थापन का सिलसिला बदस्तूर कायम है। अब जिनेवा स्थित आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र यानी आइडीएमसी की ताजा रपट में यह दावा किया गया है कि सन 2023 में दक्षिण एशिया में कुल उनहत्तर हजार लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इसमें अकेले मणिपुर से सड़सठ हजार लोग विस्थापित हुए। यानी दक्षिण एशिया के सभी देशों में जितने लोगों को अपने ठौर से उजड़ना पड़ा, उसमें सत्तानवे फीसद लोग मणिपुर के हैं। गौरतलब है कि सन 2018 के बाद यानी पिछले पांच वर्षों में भारत में हुआ यह सबसे बड़ा विस्थापन है देश के अन्य इलाकों में जहां बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदा और रोजी-रोटी जैसी वजहों से लोगों को दूसरी जगहों की ओर अपने जीने के रास्ते की खोज में निकलना पड़ा, वहीं मणिपुर में हुई व्यापक हिंसा ने वहां हजारों लोगों को विस्थापित होने पर मजबूर कर दिया। आइडीएमसी ने अपनी रपट में इस बात का उल्लेख किया है कि मार्च 2023 में मणिपुर उच्च न्यायालय ने मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के संदर्भ में जो रुख जाहिर किया था, उसके बाद राज्य के बड़े हिस्से में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इसमें करीब दो सौ लोगों की जान जा चुकी है और इसकी वजह से हजारों लोगों को अपना घर छोड़ कर राहत शिविर या दूसरों जगहों पर शरण लेना पड़ा। आज भी वहां स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है। जाहिर है, एक साधारण विवाद से जो हालात पैदा हुए, उसके एक वर्ष जाने के बावजूद उसे संभालने में सरकार अब तक नाकाम है और इसका खमियाजा हिंसक संघर्ष की वजह से बेठौर हुए लोगों को भुगतना पड़ रहा है। विश्व भर में ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है, जो बहुत मुश्किल से किसी जगह पर अपना ठिकाना और उनमें से कुछ लोग घर बनाते हैं मगर इससे ज्यादा तकलीफदेह और क्या हो सकता है कि उन्हें वैसी वजहों के लिए उस जगह को छोड़ कर कहीं और जाना पड़ जाता है, जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं होते हैं। यही नहीं, अपने ठौर से वंचित लोग जब कहीं और जीने की जगह ढूंढने निकलते हैं तो सभ्य कही जाने वाली व्यवस्थाओं वाले लोकतांत्रिक देशों में भी उनके लिए टिकना आसान नहीं होता। इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि विश्व के आधुनिक होने के दावों के बीच पिछले दो वर्षों में संघर्ष और हिंसा की वजह से अपना घर छोड़ने पर मजबूर लोगों की संख्या में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सुधरें जांच एजेंसियां

सर्वोच्च न्यायालय ने प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया। प्रबीर समाचार वेबसाइट 'न्यूजक्लिक' के संस्थापक संपादक हैं, जिन्हें 3 अक्टूबर, 2023 इस आरोप में गिरफ्तार किया गया था कि वह चीन से पैसे लेकर भारत के विरुद्ध दुष्प्रचार करते हैं। उनकी गिरफ्तारी गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत की गई थी। जाहिर है कि उनके ऊपर लगाया गया आरोप निहायत ही गंभीर था, लेकिन जांच एजेंसियों ने वह गंभीरता नहीं दिखाई जो उन्हें दिखानी चाहिए थी। न्यायालय के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 व्यक्ति के जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार की सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये अधिकार संविधान के तहत व्यक्ति को प्राप्त सर्वाधिक पवित्र एवं महत्त्वपूर्ण अधिकार हैं, लेकिन पुरकायस्थ की गिरफ्तारी की प्रक्रिया में उनके इसी अधिकार का मनमाने ढंग से अतिक्रमण किया गया। विधिक प्रक्रिया यह है कि जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाए उससे पहले पूरी जांच-पड़ताल करके उसे लिखित तौर पर बताया जाए कि आखिर उसे क्यों गिरफ्तार किया जा रहा है। इसी तरह रिमांड देने वाले न्यायिक अधिकारी का भी दायित्व बनता है कि वह सुनिश्चित करे कि जिस व्यक्ति को रिमांड पर भेजा जा रहा है, उसे लिखित में बताया जाए कि उसे रिमांड पर क्यों भेजा जा रहा है। लेकिन जांच एजेंसी ने प्रबीर के मामले में इस बेहद महत्त्वपूर्ण निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। प्रबीर को बेहद हड़बड़ी में गिरफ्तार किया गया और इस तरह न्याय की मूल अवधारणा के विरुद्ध कार्य किया गया। इसीलिए न्यायालय ने इसी आधार पर कि अभियुक्त को उसकी गिरफ्तारी का आधार नहीं बताया गया, उसकी गिरफ्तारी और रिमांड को अवैध करार दिया और रिहा करने का आदेश दिया। यह आदेश उन सभी जांच एजेंसियों के लिए एक तमाचा भी है, और सबक भी

है कि वे किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार तो कर लेती हैं, लेकिन गिरफ्तारी से पहले की जो कार्यवाहीजन्य प्रक्रियाएं होती हैं, उन्हें पूरा नहीं करतीं । परिणामस्वरूप गंभीर आरोपों के अभियुक्तों को भी रिहाई मिल जाती है और जांच एजेंसियों की किरकिरी होती है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय को आगे इस तरह की टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

परिंदों के लिए बांधे परिंडे

लगाए चुग्गा दाना घर-पक्षी रक्षा का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर - जो गत 30 वर्षों से धार्मिक, महिला उत्थान एवं मानव तथा समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत है के झोटवाडा सम्भाग के तत्वावधान में सामाजिक सेवा कार्यो के तहत झोटवाडा के केसर उद्यान, शिव शंकर मंदिर पार्क, कैलाश नगर परिक्षेत्र में परिंडे बांधे और नियमित देखभाल की जिम्मेदारी ली। सम्भाग अध्यक्ष तरुण जैन एवं महामंत्री पूनम चांदवाड के मुताबिक झोटवाडा स्थित कैलाश नगर के पार्क में तथा आसपास के पेड़ों पर पंछियों के पानी पीने के लिए परिण्डे तथा पंछियों के लिए चुग्गा दाना घर बांधे गये। साथ ही आसपास के निवासियों को परिन्दों के लिए पानी भरने हेतु परिंडे एवं चुग्गा दाना घर वितरित किए गए। इस मौके पर पक्षी

रक्षा का संकल्प लेते हुए परिण्डो में नियमित रूप से पानी भरने तथा पक्षियों के लिए चुग्गा दाना घर में दाना भरने की शपथ ली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए स्थानीय वार्ड संख्या 38 के पार्षद सुमेर सिंह जोधा, विशिष्ट अतिथि राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा का झोटवाडा सम्भाग की ओर से भावभीना स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस मौके पर विद्याधर नगर जोन के अध्यक्ष डॉ नीरज जैन, वैशाली नगर जोन के महामंत्री प्रमोद मुण्डोतिया, पटेलनगर जैन समाज के ज्ञानेन्द्र चांदवाड, जैन सोश्यल ग्रुप अरिहंत के अध्यक्ष राज कुमार सोगानी, श्रीमति मीनाक्षी, श्रीमति राजुल, श्रीमति वंदना श्रीमती प्रतिमा और बडी संख्या में गणमान्य लोगों ने सहभागिता निभाई। इससे पूर्व विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का तीन बार सामूहिक उच्चारण करने के पश्चात प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने युवा महासभा की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने युवा महासभा के संगठन की रुपरेखा बताई। सम्भाग अध्यक्ष तरुण जैन ने स्वागत उदबोधन देते हुए सम्भाग के सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। अन्त में सम्भाग महामंत्री पूनम चांदवाड ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्रमण संस्कार शिविर

देव दर्शन पाप का नाश करनें वाला तथा मोक्ष का साधन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योति नगर में संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के तीसरे दिन चार क्लास में एक सो के करीब छात्रों ने अध्ययन किया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार शिविर, विदुषियों द्वारा नमोकार व प्रार्थना के बाद विजय राकेश व राजेंद्र ठोलिया परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। शिविर में शाम को छहढाला की कक्षा में आस पास के विद्यार्थी भी भाग लेने आ रहे है। इधर सिद्धांत प्रवेशिका की मुख्य क्लास में विदुषी आराध्या ने प्रथम श्लोक को आठ से अस्सी साल के विद्यार्थियों को एक एक शब्द का बहुत ही सुंदर तरीके से अर्थ समझाते हुए बताया कि जिनेंद्र देव का दर्शन पाप का नाश करने वाला तथा मोक्ष मार्ग का साधन है।

दर्शनं देव-देवस्य, दर्शनं पापनाशनं।
दर्शनं स्वर्ग-सोपानं, दर्शनं मोक्षसाधनं ॥

कंधे से कंधा मिलाकर महिला सशक्तिकरण का बिगुल बजाते हुए

चंदनबाला महिला मंडल की नव निर्वाचित कार्यकारणी ने शपथ ली

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। कंधे से कंधा मिलाकर महिला सशक्तिकरण का बिगुल बजाते हुए चंदनबाला महिला मंडल की नव निर्वाचित कार्यकारणी पदाधिकारियों ने अध्यक्षा बाबेल के साथ समारोह में शपथ ग्रहण ली। शुक्रवार को दोपहर अहिंसा भवन शास्त्रीनगर में श्री चंदनबाला महिला मंडल की शपथ विधी कार्यक्रम रखा गया। समारोह के मुख्य अतिथि हेमन्त आंचलिया , अशोक पोखरना की अध्यक्षा में चंदनबाला महिला मंडल की निर्विरोध नवनिर्वाचित अध्यक्षा नीता बाबेल , प्रमुख संरक्षिका मंजु पोखरना ,मंजु बापना, प्रमुख सलाहकार उमा आँचलिया ,कांता छाजेड़ , मंत्री रजनी सिंघवी , कोषाध्यक्ष सुनीता झामड़ , उपाध्यक्ष विनीता बाबेल,अनु बापना, लाड़ पीपाड़ा,सहमंत्री कोमल सालेचा संगठन मंत्री निशा बापना प्रचार-प्रसार मंत्री रश्मि लोढ़ा,शिक्षा मंत्री सरोज मेहता आदि पदाधिकारियों को संध्या पामेचा ने शपथ दिलवाई। इसदौरान नवनिर्वाचित अध्यक्षा नीता बाबेल ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि पद सेवा के लिए होता है नाकि स्वार्थ सिध्दी केलिए सभी को साथ लेकर चलेगे तभी मंडल आगे बढ़ पाऐगें और समाज मे हम मान सम्मान प्रतिष्ठा प्राप्त करके महिलाओं का नाम रोशन कर पाएंगे।

सफल बनने के लिए दूर करना होगा असफलता का डर : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु मां विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में जयपुर में धर्म की महती प्रभावना हो रही है। हर कॉलोनी को पूज्य गुरु माँ के अल्प प्रवास का सान्निध्य मिल रहा है। इस क्रम में माँग्यावास कॉलोनी को माताजी के सान्निध्य में धर्म करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। पूज्य माताजी की आहारचर्या करवाने का अवसर शकुंतला अजमेरा सपरिवार को प्राप्त हुआ। पूज्य माताजी ने सभी को सफलता का महत्व बताते हुए कहा कि - सफलता प्रायः उनके ही कदम चूमती है जिनके पास सफलता को निहारने का वक्त नहीं होता। यदि आपके कामयाब होने का संकल्प काफी मजबूत है तो असफलता आपको कभी भी डरा नहीं सकती। सफल बनने के लिए सबसे पहले असफलता का डर मन में से निकालना चाहिए। यदि आप अपने सपने साकार नहीं करेंगे तो कोई और अपने सपने पूरे करने के लिए आपको भाड़े पर रख लेगा। जीवन में संघर्ष जितना कठिन होगा सफलता उतनी ही ऊंची और शानदार होगी।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृत संस्थान सांगानेर के अन्तर्गत संचालित संत श्री सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर पर श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर निरन्तर चल रहा है। श्री दिगम्बर महिला प्रथम संभाग मानसरोवर की अध्यक्ष तारा मणि गोधा ने बताया कि दिनांक 17 मई को श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय सांगानेर की निर्देशिका डा. वन्दना जैन, श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी बाकलीवाल एवं अंचल कोषाध्यक्ष श्रीमती विद्युत लुहाड़िया निरीक्षण के लिए शिविर में पधारी। इस अवसर पर मंदिर के अध्यक्ष सुभाष गंगवाल व ब्रह्मचारी दीपक राज भैया व प्रकाश पाटनी भी उपस्थिति रहे। प्रथम संभाग की अध्यक्ष तारा मणि गोधा व प्रचार मंत्री कांता पाटनी व सदस्य आभा ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने शिविर की बहुत-बहुत प्रशंसा की।

जन-जागृति अभियान के पोस्टर का हुआ विमोचन

बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान व शेखावाटी संकल्प परिवार की अभिनव पहल

लक्ष्मणगढ़, सीकर. शाबाश इंडिया। बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान व शेखावाटी संकल्प परिवार की अभिनव पहल जन-जागृति अभियान "मर रही इंसानियत की अलख को फिर से जगाना होगा, सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों का वीडियो न बनाकर समय से अस्पताल पहुँचाना होगा" के पोस्टर का विमोचन किया गया। यह जानकारी देते हुए अभियान के सह-संयोजक आकाश झुरिया ने बताया कि पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को मुंबई प्रवासी व लक्ष्मणगढ़ निवासी होटल सुभाष के मालिक सुभाष अग्रवाल द्वारा अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर होटल सुभाष के मालिक सुभाष अग्रवाल ने कहा कि यह केवल एक जन-जागृति अभियान ही नही है बल्कि आज के वर्तमान समय की बड़ी आवश्यकता है। हम सबको मिलकर जगह-जगह जाकर लोगों में वो जागरूकता लानी होगी जिससे लोग सड़क दुर्घटना में घायलों का वीडियो न बनाकर एक-दूसरे को समय से अस्पताल पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए मर रही इंसानियत को फिर से जिंदा कर सकें। यह प्रयास हम सबका हैं। इस अवसर पर होटल सुभाष मुंबई के मालिक सुभाष अग्रवाल, अभियान के संस्थापक, अध्यक्ष कवि हरीश शर्मा, अभियान के कोषाध्यक्ष अनमोल सुरेका सहित टीम के सदस्य मौजूद रहे।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा रचित मूकमाटी का अर्थज्ञान शिविर का भव्यता के साथ शुभारभ हुआ

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मे सकल दिगम्बर जैन समाज रामगंजमंडी के तत्त्वावधान मे 9 दिवसीय आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की उत्कृष्ठ त्याग तपस्या को समर्पित उपकार महोत्सव के रूप मे श्रमण संस्कृति द्वारा आयोजित 9 दिवसीय सम्यज्ञज्ञान शिविर एवं मूकमाटी अर्थज्ञान शिविर का भव्यता के साथ शुभारभ हुआ । इस क्रम मे शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मे श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा दो मुख्य पांडुकशिला पर की गयी जिसका सोभाग्य सुरेश कुमार सिद्धार्थ बाबरिया, चेतन कुमार पुलिन बागडिया, भगवानस्वरुप पदमकुमार, मयंक अयांश बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ पूजन उपरान्त शिविर का शुभारम्भ किया गया कार्यक्रम का संचालन करते हुए नगर गौरव प्रशांत आचार्य ने शिविर का महत्व बताया एवम उन्होने कहा की इस शिविर 300 से अधिक शिविरार्थी भाग ले रहे है जो अपने आप मे कीर्तिमान है । इस पुनीत बेला मे रजत दीप स्थापना, रजत ध्वज स्थापना एवम रजत मंगल कलश की स्थापना की गई जो मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से संपन्न हुई। इस पुनीत बेला मे ध्वज स्थापना का सोभाग्य अशोककुमार संजय, अजय सावला परिवार, दीप स्थापना का सोभाग्य सुरेश कुमार सिद्धार्थ बाबरिया परिवार एवम शिविर मंगल कलश स्थापना का सोभाग्य सुरेन्द्र कुमार शुभम जैन सागर वालो को प्राप्त हुआ। सभी का स्वागत सरक्षक अजितसेठी शांतिनाथ जैन मंदिर अध्यक्ष दिलीप विनायका उपाध्यक्ष चेतन बागडिया महावीर मंदिर महामंत्री पदम् सुरलाया आदि के द्वारा किया गया इसके बाद अल्पआहार का भी आयोजन किया जिसका सोभाग्य श्रीमान अजितकुमार सेठी परिवार को प्राप्त हुआ इस शिविर के द्वारा हर वर्ग धर्म का ज्ञान प्राप्त करेगा साथ ही साथ आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा रचित कृति 'मूकमाटी' जो एक जीवंत कृति है उसका अध्ययन करवाया जाएगा और बच्चो के रात्री मे संस्कृतिक कार्यक्रम भी होगे एवम विभिन्न प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। **-अभिषेक जैन लुहाडिया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति, मंगलम आनंदा, सांगानेर, में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का भव्य शुभारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया

मई 2024 को श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर जयपुर के अंतर्गत संचालित संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के सानिंध्य तथा अ. भा. जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल तथा संयुक्त महिला संभाग, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में परम पूज्य आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज की त्याग तपस्या को समर्पित उपकार महोत्सव के रूप में श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, मंगलम आनन्दा, सांगानेर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का भव्य शुभारम्भ हुआ। इस कड़ी सर्व प्रथम सम्पतराम, विजय-वीना जैन परिवार, टावर 6/303 के द्वारा चित्र अनावरण किया गया क इसके बाद दीपचंद-श्रीप्रभा जैन, पापड़ीवाल परिवार, टावर 9/1201 एवं श्रीमती मनोरमा देवी पांड्या, शरणका, विद्या प्रदीप-नीलम जकाला टावर 8/1102 ने दीप प्रज्वलन कर किया। गायिका श्रीमती नेहा काला द्वारा अपनी मधुर आवाज में मंगलाचरण की प्रस्तुति दी गई। विदुषी जीवांशी जैन एवं विदुषी विभूति जैन का सम्मान कर संक्षिप्त परिचय प्रदान किया गया। इसके बाद विदुषी जीवंशी जैन द्वारा छह ढाला का प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया और संक्षिप्त में प्रथम ढाल के बारे में बताया। बहुत ही सरल शब्दों में समझाया कि राग द्वेष से रहित केवलज्ञान ही तीन लोक में सर्वोत्तम है और यही मोक्ष को प्राप्त कराने वाला है। तीनों लोको में अनंतानंत जीव है जो सुख चाहते हैं और दुःख से डरते हैं। इन दुःखों से छुटकारा पाने की शिक्षा कमरे करुणावान गुरु हमें देते है। अंत में बताया कि यह जीन अज्ञानतावश और मोह के कारण चारों गतियों में भ्रमण करते हुए अनंत दुःख पाता है, हम अज्ञानतावश और मोह से बचकर ही इन दुःखों से पार पा सकते हैं। विदुषी विभूति जैन ने बच्चों को प्रथम भाग का शिक्षण कार्य शुरू करवाया। णमोकार मन्त्र के बारे में समझाया और शुद्ध उच्चारण करना बताया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

चिंता चिता है, चिंता किसी समस्या का समाधान नहीं है..समस्या का समाधान तो चिंतन में है..!

तुम अपना थोड़ा सा चिंतन बदल लो, बस तुम्हारे दुःख खत्म हो जायेंगे। जीवन में दुःख है कहाँ- ?और यदि थोड़ा बहुत है भी तो, उसमें से तुम सुख खोज लो,, दुःख में से सुख खोजा जा सकता है। दुःख में से सुख खोजने की एक कला है, वह कला तुम्हें सीखनी होगी। मैं वही कला तो सिखा रहा हू , ऐसा कोई दुःख नहीं है जिसमें थोड़ा बहुत सुख ना हो। बड़े बड़े दुःखों में छोटे-छोटे सुख छुपे होते हैं, क्योंकि जो मिल ना सका या फिर जो खो गया, उसके लिये जिन्दगी भर शोक करना फिजूल का पागल पन है। जो कुछ बचा है या फिर जो मिला है, उसका उपभोग करो, उसका सुख भोगो, इसी में समझदारी है। इससे पीड़ा कम होगी, खुशियाँ बढ़ेगी। दो दांत यदि टूट गये, जो तीस बाकी है, उनसे काम लो, उनका सम्मान करो। दो की याद में शेष तीस को भूल जाना ही पागल पन है। इसलिए जो है सो है... बस इससे ही जीवन में आनंद भर जाएगा... !

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

डॉ लिपि जैन होंगी अहिंसा एवं जन चेतना पुरस्कार से सम्मानित

लाडनूं. शाबाश इंडिया

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग की सहायक आचार्य एवं गांधी एवं अहिंसा दर्शन की युवा विदुषी डॉ लिपि जैन को क्षुल्लक जिनेंद्र वर्णी अहिंसा एवं जन चेतना पुरस्कार-2023 से सम्मानित होंगी। पुरस्कार समिति के प्रमुख एवं संस्था के उपाध्यक्ष प्रो. लोकेश कुमार जैन, प्रोफेसर गुजरात विद्यापीठ, गांधीनगर ने जानकारी देते हुए कहा कि यह पुरस्कार प्राच्यविद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान, जयपुर के द्वारा आपकी मौलिक कृति विकास : गांधी और आचार्य महाप्रज्ञ दृष्टि में विषयक कृति के लिए दिया गया। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि यह पुरस्कार आगामी कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार स्वरूप डॉ लिपि जैन को 11000/- की नगद राशि, स्मृति चिन्ह, अभिनंदन-पत्र, शोल, साहित्य आदि से सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि के लिए डॉ जैन को सैकड़ो विद्वानों, विषय विशेषज्ञों ने व्यक्तिगत, सोशल मीडिया, दूरभाष आदि माध्यमों से शुभकामनाएं एवं बधाई संदेश प्रेषित किये।

तकनीक और कैमरे के तालमेल से स्टूडेंट्स को सिखाई छायांकन कला

वीआईएफटी कॉलेज में तीन दिवसीय एडवांस फोटोग्राफी प्रशिक्षण शिविर संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। फोटोग्राफी कला सीखने के लिए इच्छाशक्ति, लगन, सतत परिश्रम और धैर्य की आवश्यकता होती है।इसके बाद निरंतर मोबाईल अथवा डीएसएलआर कैमरे द्वारा अभ्यास से कोई भी साधक बन सकता है।' यह बात वीआईएफटी कॉलेज में लेकसिटी कैमरा क्लब के वरिष्ठ सदस्य और समन्वयक के एस सरदलिया ने तीन दिवसीय सर्टिफिकेशन प्रोग्राम में कही। गौरतलब है कि उन्होंने यूआईटी सर्किल स्थित कॉलेज में बीसियों पंजीकृत छात्र- छात्राओं को फोटोग्राफी बेसिक्स के साथ एडवांस टेक्निक के टिप्स भी साझा किए। इससे पूर्व कॉलेज प्रशासन की ओर से डॉ. नरेन गोयल गुप्ता ने उपरना पहनाकर उनका स्वागत किया। प्रिंसिपल विप्रा सुखवाल ने बताया कि तीनों ही दिन इनके साथ राकेश शर्मा 'राजदीप' ने भी स्टूडेंट्स को प्रोफेशनल फोटोग्राफी से जुड़ी तथ्यात्मक जानकारियों सहित उनकी व्यक्तिगत समस्याओं का भी लाइव डेमो से निराकरण किया। उन्होंने इस दौरान पोर्ट्रेट, मॉडल शूट, केंडिड, टेबल टॉप जैसी विधाओं को भी सिखाया। तीनों ही दिन कॉलेज के अभिषेक सिंह ने सहयोगी की भूमिका निभाई। डायरेक्टर डॉ. रिमझिम गुप्ता ने बताया कि अंतिम दिन सभी स्टूडेंट्स ने ऑन स्पॉट फोटो कंपीटीशन में भागीदारी निभाकर पुरस्कार भी पाए। इन सभी प्रतिभागियों को आगामी माह कॉलेज की ओर से आयोजित होने वाले कार्निवाल में सहभागिता प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। -रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

द यू एस एस स्कूल में मदर्स डे सेलिब्रेट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। द यू एस एस स्कूल मे मदर्स डे सेलिब्रेट किया गया। स्कूल में पहुंची माताओं की प्रतियोगिता करवाई गई और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। द यू एस एस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मां विषय पर हिदी गानों पर छोटे बच्चों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्कूल की प्रिंसिपल ममता शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में सभी स्कूलों में किताबी ज्ञान पर विशेष जोर दिया जाता है तथा उसी का परिणाम है कि आज बच्चों के अंक शत प्रतिशत तक भी आ जाते हैं, लेकिन इस प्रतिस्पर्धा के युग में हम कहीं न कहीं भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से दूर होते जा रहे हैं। स्कूलों में इस प्रकार के कार्यक्रमों के द्वारा बच्चों में अच्छे संस्कार एवं नैतिकता पूर्ण शिक्षा देने का प्रयास किया जाता है जो की नितांत आवश्यक भी है। मदर्स डे पर बच्चों ने किया प्यारे-प्यारे गीतों पर डांस द यू एस एस स्कूल ऑडिटोरियम से चारों और एक ही आवाज गूंज रही थी की मां मेरी मां ।टीचर्स ने भी जमकर प्रतियोगिता में भाग लिया ।द यू एस एस स्कूल डायरेक्टर अर्चना शर्मा और स्कूल प्रिंसिपल ममता शर्मा ने प्रतिभागी विजेता महिलाओं को और स्टाफ को गिफ्ट देकर सम्मानित किया।

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा अस्थाई जल मन्दिर प्रारंभ किया गया

डडूका. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा भीषण गर्मी से राहगीरों को राहत प्रदान करने एक अस्थाई जल मन्दिर का शुभारंभ नसियाजी मार्ग पर हितेश जैन की दुकान के पास प्रारंभ किया गया है। संक्षिप्त जल मन्दिर स्थापना समारोह की अध्यक्षता सुंदरलाल पटेल ने की, मुख्य अतिथि गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया थे तथा विशिष्ठ अतिथि योगेश सोनी थे। इस जलमंदिर से डडूका से खेरण का पारडा, मलाणा, जौलना, रैयाना, गढ़ी एवं ओडवाडा की तरफ जाने वाले राहगीरों को पीने के लिए शीतल जल उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम मे सुन्दरलाल पटेल ने रोजाना पानी भरने की व्यवस्था में सहयोग के लिए वीर हितेश जैन एवं सुनील भाई के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है महावीर इंटरनेशनल डडूका अपनी स्थापना नवम्बर 2015से लगातार गर्मियों में ये जल सुविधा उपलब्ध कराता आ रहा है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री दिगंबर जैन मंदिर सघीं जी मनिहारों का रास्ता, महावीर पार्क जयपुर में धार्मिक शिक्षण शिविर शुरू

रमेश गंगवाल. शाबाश इंडिया

जयपुर। श्री दिगंबर जैन मंदिर सघीं जी मनिहारों का रास्ता, महावीर पार्क के पास जयपुर में 10 दिवसीय धार्मिक प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत संध्याकालीन पाठशाला का शुभारंभ हुआ। उक्त जानकारी देते हुए मंदिर प्रबंध समिति के मंत्री विपिन कुमार बज ने बताया करीब 40 बच्चे इस शिविर में आकर ज्ञान अर्जन कर रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया इस धार्मिक प्रशिक्षण शिविर के मुख्य सूत्रधार डॉक्टर बी सी जैन साहब और कैलाश चंद्र जी मलैया शुभारंभ के समय जिनालय में पधारे। श्रीमती शशि सोगानी और प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद भोंसा, डॉक्टर विमल कुमार जैन और पधारे हुए अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर पाठशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती सोनम जैन, श्रीमती बीना देवी जैन, श्रीमती ममता जैन संघी एवं श्रीमती इना जैन ने बताया की शुभारंभ के अवसर पर डॉ कैलाश चंद मलैया ने कहा आज हमारे बच्चे स्कूल पढ़ने जाते हैं वहां अन्य समाज के बच्चे भी आते हैं। सब अपना अपना टिफिन लेकर आते हैं परंतु हमारे बच्चों को यह नहीं पता होता है , कौन से टिफिन में कैसा भोजन बना है। खाने योग्य है या नहीं है। इन सब का संस्कार माता-पिता स्वयं दें, या फिर बच्चे पाठशाला में आकर के यहां जानकारी लें। डॉक्टर बी सी जैन साहब ने पाठशाला की महत्वता पर प्रकाश डाला। डॉ विमल कुमार जी जैन ने 10 दिन तक नियमित रूप से आकर छह डाला का ज्ञान देने हेतु अपने विचार व्यक्त किये। और कहा मैं नियमित आकर सभी को छहढाला का स्वाध्याय कराऊंगा। संयम जैन बच्चों को धर्म और दर्शन की जानकारी देंगे। पाठशाला नियमित रूप से चल रही है। बच्चों को नियमित किसी भी श्रावक परिवार द्वारा उपहार वितरण किया जाता है।

जेसीआई मुरैना जाग्रति ने माधवीराजे सिंधिया को दी श्रद्धांजलि

पक्षियों के लिए किया दाना-पानी का इंतजाम

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। महिलाओं के स्वयंसेवी संगठन जेसीआई मुरैना जाग्रति ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवीराजे के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा गर्मी के मौसम में पक्षियों को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए उन्होंने हर वर्ष की तरह दाना-पानी अभियान की शुरूआत भी की। दाना-पानी अभियान का आगाज जीवाजी गंज स्थित अग्रसेन पार्क से किया गया। यहां महिलाओं ने पेड़ों पर पानी के सकोरे टांगे और पक्षियों के लिए अनाज के दाने भी रखे।

महिलाओं के कहा कि उनका यह अभियान पूरे गर्मी के मौसम में जारी रहेगा। इस अवसर पर जेसीआई की अध्यक्ष लता गोयल ने कहा कि हमारे आसपास रहने वाले पशु, पक्षी अपनी भोजन संबंधी जरूरतों के लिए हम पर ही निर्भर रहते हैं, इसलिए इंसानियत के नाते उनका खयाल रखना हमारा दायित्व है। खासकर गर्मियों के मौसम में जब तापमान 45 डिग्री से ऊपर पहुंच जाता है, तब पक्षियों को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए दाना-पानी का इंतजाम हरेक व्यक्ति को करना चाहिए। इससे पूर्व जेसीआई मेंबर्स ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवीराजे सिंधिया के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। महिलाओं ने दो के लिए मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जेसीआई मुरैना जाग्रति की फाउंडर प्रेसिडेंट भावना जैन ने कहा कि राजपरिवार की सदस्य होते हुए भी राजमाता माधवीराजे सिंधिया सहज व्यवहार के लिए जानी जाती थीं। राजनीति से भी सिंधिया परिवार वर्षों से जुड़ा हुआ है, लेकिन उनका नाम कभी किसी सियासी विवाद में शामिल नहीं रहा। उन्होंने हमेशा एक आदर्श पत्नी और जिम्मेदार मां की भूमिका का निर्वहन किया। उनका दुनिया से चले जाना दुःखद है।

अग्रवाल समाज झोटवाड़ा 2 करोड़ की लागत से बनाएगा अत्याधुनिक भवन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सामाजिक कार्यों के उपयोग के लिए अग्रवाल समाज सेवा समिति झोटवाड़ा ने नवीन भवन का भूमि पूजन किया गया। भवन की आधारशिला भूमि दानदाता स्व. बद्री नारायण अग्रवाल, बृज मोहन अग्रवाल, श्रीनिवास अग्रवाल (ताऊजी वाला) के परिवारजनों ने रखी। समिति के अध्यक्ष नटवरलाल गर्ग एवं महामंत्री दिलीप अग्रवाल ने बताया कि कालवाड़ रोड़ पर अत्याधुनिक नए भवन का निर्माण 2 करोड़ की लागत से करवाया जाएगा। नवीन भवन में बेसमेन्ट, भू-तल एवं तीन मंजिल बनाने का प्रस्ताव लिया है। भवन में किसी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियाँ संचालित नहीं की जायेगी, केवल सामाजिक कार्यों के लिए दिया जाएगा। इस मौके पर उपाध्यक्ष महेश मोदी, कोषाध्यक्ष फतेहलाल, गजानन्द, रविकान्त, विनोद, विजय, मनीष, गिरधारी, महेश, विष्णु, आशीष, सीए दिनेश एवं महिला मंडल से आए हुए सभी अग्रजनों का आभार जताया। समाज की मौजूदा कार्यकारिणी ने प्रतिज्ञा ली कि जब तक समिति भवन तैयार नही होगा, हम लोग माला नही पहनेंगे।

अंजली गोयल की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर 19 मई को

जयपुर. शाबाश इंडिया

रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री मनोहर दास जी महाराज मंहत मंदिर श्री चिंताहरण काले हनुमान जी, मानसरोवर जयपुर, मोती डूंगरी गणेश मंदिर मंहत कैलाश शर्मा, जयपुर ग्रेटर वार्ड 64 के पार्षद राजू अग्रवाल, जयपुर ग्रेटर वार्ड 78 के पार्षद रवि उपाध्याय एवं प्रदेश संयोजक (वरिष्ठजन प्रकोष्ठ) भाजपा श राधेश्याम उपाध्याय नवीन भंडारी ट्रस्टी आशापूरण चैरटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया। जिसमें विपिन कुमार गुप्ता, अक्षय गुप्ता, सोश्यल सर्विस डीसीएम, जयपुर आदि कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर एवं अंजली गोयल की प्रथम पुण्यतिथि के तत्वाधान में 19 मई 2024 रविवार को सुबह 10 बजे से 3 बजे तक तलवारिया मैरिज गार्डन, 80 फीट रोड़, महेश नगर, जयपुर में लगाया जाएगा, जिसमें फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. कोनिका भोजक द्वारा निःशुल्क परामर्श की सुविधा और प्रत्येक रक्तवीर को जाँच रिपोंट, दानदाता कार्ड, प्रशस्ति-पत्र एवं उपहार प्रदान किए जाएंगे।

मंगल कलश की हुई स्थापना

मदनगंज-किशनगढ़. शाबाश इंडिया

चतुर्थ पट्टाधीश व प्राकृत ज्ञान केसरी आचार्यश्री सुनील सागर महाराज के सान्निध्य में ग्रीष्मकालीन वाचना 2024 षट्खण्डागम (धवला पुस्तक 15) श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन पंचायत की ओर से सिटी रोड स्थित जैन भवन में आयोजित के दौरान मंगल कलश स्थापना आरके मार्बल समूह के चेयरमैन अशोक कुमार पाटनी एवं महावीर प्रसाद प्रकाश चंद काला परिवार द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण, पाद-पक्षालन और शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य मांगीलाल, चिरंजीलाल, रोहित, मोहित झांझरी परिवार लिचाना वाले को मिला। प्रचार-प्रभारी गौरव पाटनी ने बताया कि प्रतिदिन जैन भवन में आचार्यश्री सुनीलसागर महाराज ससंघ दैनिक आचार्य इस प्रकार होगी। प्रातः 4.45 बजे सामायिक, योग, ध्यान, प्रातः 6.15 बजे जिनाभिषेक, प्रातः 6.30 बजे पाठ, स्वाध्याय तत्पश्चात 8:00 बजे प्रवचन बाद में आहार चर्या, प्रातः 11:30 बजे सामायिक, ध्यान, दोपहर में 2:00 बजे ग्रीष्मकालीन वाचना के तहत स्वाध्याय (धवला पुस्तक 15) और 5:00 बजे ससंघ प्रतिक्रमण होगा सांय 6.30 बजे पण्ह पुच्छा के तहत आचार्यश्री द्वारा भक्तों के प्रश्नों का समाधान किया जाएगा। सांय आरती, चालिसा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि फोन 8:45 बजे से वैयावृत्ति होगी।

प्यासे पक्षियों को पानी पिलाएं, आओ इस आदत को संस्कार बनाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया। कनोडिया कॉलेज परिसर जयपुर में ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन व कानोडिया कॉलेज के के संयुक्त तत्वावधान मे परिंडा महोत्सव का आयोजन किया गया। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर ने बताया की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. ममता जैन व विशिष्ट अतिथि चारू गुप्ता रही। कॉलेज प्राचार्या डॉ सीमा अग्रवाल, उपप्राचार्या डॉ रंजुला जैन सहित समाजसेविका मनीषा जैन, राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ आँचल पुरी, मृणाली, सारिका कॉल उपस्थित रही। अंत में सभी ने नियमित रूप से परिन्डो में पानी डालने व साफ सफाई की देखभाल का संकल्प लिया।

बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टॉफ सोसायटी का स्नेह मिलन आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टॉफ सोसायटी का स्नेह मिलन अजमेर रोड़ पर एक होटल में आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में विशेष रूप से 75 से 85 वर्ष के सदस्यों ने भी पूर्ण जोश खरोश से भाग लेकर माहौल को जीवत बना दिया। कार्यक्रम में सदस्यों के जन्मदिन व वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर फूल मालाओं, दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत व अभिनन्दन किया गया, एवं उनके दीर्घ एवं स्वास्थ्य जीवन की कामना की गई। इस अवसर सदस्यों ने गीत संगीत की प्रस्तुति देकर वातावरण को खुशनुमा बना दिया। सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरसिंह गुप्ता ने सेवानिवृत्त साथियों के पेंशन, फैमिली पेंशन रिविजन, मेडिकल व एक्स श्रेणियां आदि पर किये जा रहे प्रयासों एवं प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्नेह मिलन में वरिष्ठ साथी सुनील गहलोत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, रविन्द्र शर्मा संयुक्त सचिव, सुभाष कासलीवाल व बड़ी संख्या में सदस्यों ने अपने जीवन साथी के साथ सक्रिय भागीदारी की। सोसायटी के जयपुर चेप्टर के अध्यक्ष महेन्द्र बैराठी ने सभी का स्वागत किया, संचालन सांस्कृतिक सचिव लोकेश शर्मा ने व धन्यवाद मंत्री श्याम बिहारी गुप्ता ने दिया। स्वादिष्ट भोजन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।